पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने सीमैप के किसान मेला का उद्घाटन किया

लखनऊः 31 जनवरी, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज केन्द्रीय औषधि एवं सगंध पौधा संस्थान, लखनऊ द्वारा आयोजित किसान मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक, प्रो0 ए0के0 तिवारी, मुख्य वन संरक्षक सुश्री ईवा शर्मा, श्री वी0के0 तोमर, अध्यक्ष मेला समिति सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

राज्यपाल ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने सम्बोधन में कहा कि वैज्ञानिक किसानों को पारम्परिक खेती के साथ-साथ फूलों एवं औषधीय पौधों की खेती के लिये भी प्रोत्साहित करें जिससे किसान ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकें। किसान आर्थिक रूप से समृद्ध होंगे तो देश की समृद्धि भी बढेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रबंधन की आवश्यकता है जिससे कम समय एवं कम खर्च में किसान का उत्पाद बाजार तक पहुँचाया जा सके।

श्री नाईक ने कहा कि खेती को मुनाफा देने वाले व्यवसाय की तरह विकसित करने की जरूरत है। वैज्ञानिक तरीके से बीज, उर्वरक और सिंचाई आदि के प्रयोग से किसान का उत्पादन बढ़ सकता है। पहले लोग सोचते थे कि जो अपढ़ होता है वहीं किसानी करता है। आज उच्च शिक्षा धारण करने वाले लोग खेती की ओर आकर्षित हो रहे हैं। पहले देश में खाद्यान्न आयात किया जाता था। पूर्व प्रधानमंत्री का नारा 'जय जवान, जय किसान' के बाद खाद्यान्न में बढोत्तरी हुई। देश आत्मनिर्भर हुआ और निर्यात भी कर रहा है। आजादी के बाद तीन गुना से अधिक आबादी बढ़ी है मगर हम सीमित कृषि योग्य भूमि पर अपना उत्पादन बढ़ाने में सफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी आबादी का पोषण करना किसानों के कारण ही संभव हुआ है।

राज्यपाल ने कहा कि पूरे विश्व में आयुर्वेद के प्रति आकर्षण बढ़ा है। लोगों को हल्दी और तुलसी के लाभ की जानकारी अब शोध के माध्यम से मिल रही है। विदेशों में लोग हमारे यहाँ के उत्पाद को अपना बताकर पेटेंट करा रहे हैं। विदेशों में हमारी वनस्पतियों से निर्मित औषधि का फायदा हमसे ज्यादा ले रहे हैं। देश का किसान शिक्षित हो रहा है और विज्ञान एवं तकनीक का लाभ भी ले रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि में वैज्ञानिक दृष्टिकोण से काम करने से आर्थिक लाभ होगा।

कार्यक्रम में निदेशक, प्रो0 ए0के0 तिवारी ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा संस्थान के कार्यकलाप पर प्रकाश डाला। मेला समिति के अध्यक्ष, श्री वी0के0 तोमर ने मेले के बारे में जानकारी दी।

राज्यपाल ने इस अवसर पर संस्थान की स्मारिका तथा अन्य प्रकाशन का विमोचन किया तथा मेले में लगी किसान प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

CSIR-CIMAP
किसान मेला
प्रायोजक
Sponsors
ipca

CSIR-CIMAP
किसान मेला

अगेती मिन्ट तकनीकी